- (iii) it will take necessary steps for promotion of marketing activities by way of grant of equipment, loans and advances to fishermen and their organisations, and
- (iv) it may also undertake foreign collaborations for catching, processing and export of flah, manufacture of marine engines, trawlers and other lishing equipment
- (c) The Corporation may undertake fishing operations in the entire coastal areas either independently or in collaboration with State Governments and other parties.
- (d) The authorised capital of the Corporation is Rs. 5 crores and the present issued capital is Rs. 60 lakhs.

केन्द्रीय सहकारी भण्डार, दिल्ली

*12. श्री प्रकाशबीर शास्त्री: श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती: श्री हुकम चन्द कछत्राय:

क्या खाद्य, कृषि सामुवायिक विकास तथा सहकार मत्री यह बनाने की कृपा करेंगे कि:

- (क) कांयला, गृह तथ लोहे के बारे में दिल्ली राज्य केन्द्रीय सहकारी भंडार द्वारा की गई प्रनियमितताओं से सम्बन्धित ऐसे कितने मामले हैं जिनके बारे में जांच पूरी हो गई है प्रोर इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है;
- (ख) क्या भण्डार भव भी कार्य कर रहा है तथा इसके पुराने कर्मचारिकृत को रखा लिया गया है; भीर
- (ग) क्या इस मंडार के बारे में कोई ग्रीर शिकायर्ते प्राप्त हुई हैं?

बास, कृषि, सामुदायिक विकास सवा

सहकार मंत्री (श्री चि० सुकक्क्याच्याम) ब (क) ऐसे तीन मामले हैं। वेइस प्रकार हैं:---

- (1) अनिधिकृत स्थान में गुड़ और खांडसारी का भण्डार तथा विकी और सिविका रसद निदेशक, दिल्खी प्रणासन, दिल्ली को पाक्षिक विवरण न भेजना:
- (2) लोहे तथा इस्पात की अवीब बिक्री, दिल्ली राज्य लाइसेंब प्राधिकारी को मिथ्या वियरण भेजना तथा मासिक वियरण न भेजना; ग्रीर
- (3) खास जयरामपुर कोयला खान तथा भण्डार के कर्म-चारियों के विषद "सब-स्टेंडर्ड' कायला खरीदने तथा बचने के बारे में झापराधिक षडयन्त्र के झारोप।

पहले दो मामलों में पुलिस जांच पूरी होने पर कानूनी कार्यवाही शुरू की गई बी स्रौर ये मामले न्यायार्धन है। तीनरे मामले में कानूनी कार्यवाही सम्भव न्ही थी।

(स्त्रा) भण्डार श्रव भी कार्यकर रहा ≹ा

पुराने 70 कर्मचारियों में से, 8 भ्रव भी काम कर रहे हैं।

(ग) कोई नई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है ।

सांड विकास ग्रीमकारी के पद का समाप्त किया जाना

- *13. श्री किशन पटनत्यक : श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
 - ंधीमधुलिमयेः जीवागडीः

डा० राम मनीहर नोहिया :